अब के बरस तुझे धरती की रानी कर देंगे हिंदी लिरिक्स

अब के बरस तुझे,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस तेरी,
प्यासों में पानी भर देंगे,
अब के बरस तेरी,
चुनर को धानी कर देंगे,
अब के बरस,
ये दुनिया तो फानी है हो,,
बहता सा पानी है हो,,
तेरे हवाले ये ज़िंदगानी,
ये ज़िंदगानी कर देंगे,
अब के बरस,
अब के बरस तुझें,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस।bd।

ये भी देखे – है प्रीत जहाँ की रीत सदा।

दुनिया की सारी दौलत से,
इज़्ज़त हमको प्यारी,
मुट्ठी में किस्मत है अपनी,
हमको मेहनत प्यारी,
मिट्टी की कीमत का जग में,
कोई रतन नही है,
ज़िल्लत के जीवन से बदतर,
कोई कफ़न नही है,
देश का हर दीवाना अपने,
प्राण चीर कर बोला,
बलिदानों के खून से अपना,
रंग लो बसंती चोला,
अबके हमने जानी है हो,,
अपने मन में ठानी है हो,,
हमलावरो की ख़तम कहानी,
ख़तम कहानी कर देंगे,
अब के बरस,
अब के बरस तुझें,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सुख सपनो के साथ हज़ारों,
दुख भी तूने झेले,
हंसी खुशी से भीगे फागुन,
अब तक कभी ना खेले,
चारों ओर हमारे बिखरे,
बारूदी अफ़साने,
जलती जाती शमा जलते,
जाते है परवाने,
फिर भी हम ज़िंदा है,
अपने बलिदानों के बल पर,
हर शहीद फरमान दे गया,
सीमा पर जल जल कर,
यारों टूट भले ही जाना,
लेकिन कभी ना झुकना,
कदम कदम पर मौत मिलेगी,
फिर भी तुम ना रुकना,
बहुत सह लिया अब ना सहेंगे,
सीने भड़क उठे है,
नस नस में बिजली जागी है,
बाज़ू फ़ड़क उठे है,
सिंहासन की खेर करो,
ज़ुल्मो के ठेकेदारों,
देश के बेटे जाग उठे,
तुम अपनी मौत निहारो,
अंगारो का जश्न मनेगा,
हर शोला जागेगा,
बलिदानों की इस धरती से,
हर दुश्मन भागेगा,
हमने कसम निभानी है,
देनी हर क़ुर्बानी है,
हमने कसम निभानी है,
देनी हर क़ुर्बानी है,
अपने सरों की,
अपने सरों की,
अंतिम निशानी भर देंगे,
अब के बरस,
अब के बरस
अब के बरस तुझें,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस।bd।

अब के बरस तुझे,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस तेरी,
प्यासों में पानी भर देंगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब के बरस तेरी,
चुनर को धानी कर देंगे,
अब के बरस,
ये दुनिया तो फानी है हो,,
बहता सा पानी है हो,,
तेरे हवाले ये ज़िंदगानी,
ये ज़िंदगानी कर देंगे,
अब के बरस,
अब के बरस तुझें,
धरती की रानी कर देंगे,
अब के बरस।bd।

स्वर – महेंद्र कपूर जी।
प्रेषक – ऋषि कुमार विजयवर्गीय।
7000073009

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com